श्री संजय सिंह: सर, मैं ...**(व्यवधान)**... खत्म कर रहा हूं।

श्री सभापति: श्रीमती विप्लव ठाकुर जी। इसके लिए यही दवाई है, यही उपाय है, कोई और मार्ग नही है। ...**(व्यवधान)**...

श्री संजय सिंह: सर, मैं बस तीस सेकेंड में खत्म कर रहा हूं। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: मैं ऑलरेडी खत्म कर चुका हूं। आप बहुत पढ़े-लिखे व्यक्ति हैं।

Issues related to the Mid-Day meals served in schools

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश): माननीय सभापति जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे समय दिया। महोदय, आज मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण इश्यू सदन में लाई हूं - मिड डे मील। मिल डे मील को यूपीए सरकार ने शुरू किया था। इसे इसलिए शुरू किया गया था कि जो बच्चे हैं, उनको पौष्टिक आहार मिले और जो ड्रॉपआउट्स होते हैं, उनको उससे थोड़ी सी राहत मिले। मैं शुक्रगुज़ार हूं कि इस सरकार ने भी उसको लागू रखा है, लेकिन अब समय आ गया है कि इसको रिव्यू किया जाए कि क्या बच्चों को सही भोजन मिल रहा है? जिस आइडिया के साथ यह शुरू किया गया था, क्या यह उन बच्चों तक पहुंच रहा है? हमारे पास कई ऐसी रिपोर्ट्स आती हैं कि उन बच्चों को ठीक ढंग से भोजन नही मिल रहा है। उस भोजन में जो विटामिन्स या जो पौष्टिक तत्व होने चाहिए, वे उसमें नही पहुंच रहे हैं। यहां तक कि एक खबर आई थी कि नमक के साथ भोजन दिया गया है। यह एक बहुत ही गंभीर समस्या है। मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं और चाइल्ड वेलफेयर की मंत्री जी भी यहां पर बैठी हुई हैं, मैं चाहूंगी कि ये दोनों मिलकर इसका रिव्यू करें और हर स्टेट से इसके बारे में रिपोर्ट लें कि क्या उनको ठीक ढंग से भोजन दिया जा रहा है? टीचर्स को वहां भोजन बनाने के लिए नियुक्त न किया जाए, क्योंकि इससे बच्चों की पढ़ाई खराब होती है। उसके लिए स्पेशल स्टाफ रखना चाहिए। यह एक गंभीर मामला है, इस पर गौर किया जाए। मैं केंद्र सरकार का और मंत्री जी का ध्यान इस ओर लाना चाहती हूं, बहुत-बहुत धन्यवाद।

SHRI MAJEED MEMON (Maharashtra): Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI MADHUSUDAN MISTRY (Gujarat): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI P. BHATTACHARYA (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI K.G. KENYE (Nagaland): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRIMATI SHANTA CHHETRI (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI SUBHASISH CHAKRABORTY (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

श्री शमशेर सिंह ढुलो (पंजाब): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

Need to construct a ropeway in the Similipal Tiger Reserve in Odisha and development of tourism

श्रीमती सरोजिनी हेम्ब्रम (ओडिशा): धन्यवाद, चेयरमैन सर। सर, मैं सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व में रोपवे बनाने और वहां पर्यटन के विकास के लिए ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं। सर, ओडिशा का मयूरभंज डिस्ट्रिक्ट सबसे बड़ा undivided tribal district है। इसमें सिमिलिपाल प्राकृतिक संपदा से भरपूर और dense forest है। यहां 2,750 वर्ग किलोमीटर wildlife sanctuary में टाइगर रिजर्व है और एलिफेंट रिजर्व और Bio-Sphere Reserve के साथ Joranda और Barehipani बहुत ही सुंदर वॉटरफॉल है। ओडिशा गवर्नमेंट ने 1979 में सिमिलिपाल को wildlife sanctuary घोषित किया था। 1994 में भारत सरकार ने इसे Bio-Sphere Reserve घोषित किया था। 2009 में यूनेस्को ने इसे नेशनल पार्क के अपने Bio-Sphere Reserve लिस्ट में शामिल किया था। सर, इस डिस्ट्रिक्ट में अभी तक Bio-Sphere Reserve के कारण industrial development नही हो सका। इसके जवाब में tourism development करना बहुत ही जरूरी है। हमारी सरकार ने, हमारे चीफ़ मिनिस्टर माननीय नवीन पटनायक जी ने इस नेशनल पार्क के विकास के लिए कई सारे कदम उठाए हैं। सिमिलिपाल नेचुरल ज़ू है और कोर एरिया है, यहां पर all weather road बनाना संभव नही है, इसीलिए अगर वहां रोपवे बनाया जाएगा, तो पर्यटन के विकास के साथ-साथ ज्यादा tourist आकर्षित होंगे। इसके अतिरिक्त वहां पर मेडिस्नल प्लांट्स की संपदा भी भरपूर मात्रा में है और tussar silk का भी कल्टिवेशन होता है। इसका सही विकास होने से यूथ को employment opportunity मिल सकती है और revenue भी generate हो सकता है। सर, मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करती हूं कि सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व में रोपवे निर्माण के लिए सर्वे किया जाए और वहां पर tourism का विकास भी हो। धन्यवाद।

श्री सभापति: श्री अहमद हसन। जिनको associate करना है, वे अपनी स्लिप भेज दें।

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.